

बुंदेलखंड पुं. (तत्.) उत्तरप्रदेश का एक दक्षिणी भाग झाँसी, बाँदा, हमीरपुर, जालौन, उरई, महोबा आदि जिलों का समूह है तथा जहाँ के लोग बुंदेली बोली बोलते हैं।

बुंदेलखंडी वि. (तत्.) बुंदेलखंड से संबंधित, बुंदेलखंड वाला।

बुँदिया स्त्री. (तत्.) 1. वर्षा के जल आदि की छोटी बूँदें जो गिरते समय छोटी गोली का रूप धारण करती प्रतीत होती हैं 2. बेसन से बनी छोटी गोली के आकार की मिठाई, बूँदी।

बुँदेल पुं. (देश.) 1. गहरवार वंश की एक शाखा वाला क्षत्रियों का एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक वंश 2. बुंदेलखंड क्षेत्र का वासी।

बुआ स्त्री. (देश.) पिता की बहन, फूफी।

बुक स्त्री. (अर.) बुकरम, कलफ किया हुआ एक प्रकार का महीन कपड़ा जो कड़ा होता है वि. (तत्.) भीषण शब्द करने वाला पुं. रेंडी का पेड़।

बुकनी स्त्री. (देश.) किसी भी वस्तु का बारीक पीसा हुआ चूर्ण जैसे- कैथा की बुकनी, आदि।

बुक-पोस्ट स्त्री. (अं.) डाक विभाग द्वारा रियायती दर पर एक स्थान से दूसरे स्थान को भेजी जाने वाली पत्रिका, पत्र, पुस्तक आदि सामग्री।

बुकस पुं. (तद्.) 1. सफाई कर्मचारी, मेहतर, भंगी 2. चांडाल।

बुकिंग स्त्री. (अं.) किसी वस्तु को किसी अधिकृत व्यक्ति द्वारा पहले से सुरक्षित कर लेना जैसे- रेलवे टिकट की बुकिंग booking

बुकका पुं. (तत्.) अन्नक का चूर्ण।

बुकका/बुककी स्त्री. (तत्.) 1. रक्त, खून 2. हृदय।

बुखार पुं. (फा.) स्वास्थ्य के असहज होने की वह स्थिति जब शरीर सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है तथा अधिक ताप के कारण बेचैनी होती है 1. ज्वर, ताप 2. भाप 3. भड़ास, दिल का गुबार 4. क्रोध, शोक का आवेग लाक्ष. किसी वस्तु की प्राप्ति की बेचैनी जैसे- उसे सत्ता प्राप्ति का बुखार चढ़ा हुआ है।

बुजदिल वि. (फा.) किसी विषय परिस्थिति का सामना न करने वाला, डरपोक, कायर, साहसहीन स्त्री. (बुजदिली) कायरता, भीरुता।

बुजुर्ग वि. (फा.) 1. जो आयु में बड़े बूढ़े हों, वयोवृद्ध 2. सम्माननीय वृद्धजन 3. अतीत में हुए पूर्वज, पुरखे आदि।

बुझना अ.क्रि. (देश.) 1. आग, दीपक, चूल्हा आदि का जलना बंद हो जाना 2. किसी गर्म या तपी हुई चीज का पानी पड़ने से ठंडा हो जाना 3. प्यास शांत होना लाक्ष. 1. संतान के अभाव में कुल वंश का समाप्त होना या किसी संकट के कारण कुल का कोई सदस्य जीविन न रहना 2. किसी मनोवेग उत्साह, शक्ति आदि का समाप्त हो जाना।

बुझावल स्त्री. (तत्.) 1. सरलता से समझ में न आने वाली कोई बात, रहस्यमयी बात 2. पहेली।

बुट स्त्री. (तत्.) 1. वन में होने वाली कोई औषधि, जड़ी बूटी 2. वनस्पति 3. भाँग 4. फूलों के छोटे चिह्न जो कपड़ों आदि पर बनाए जाते हैं, छोटा बूटा।

बुड़बुड़ाना अ.क्रि. (अनु.) 1. आक्रोश में बुड़-बुड़ करना 2. किसी अनपेक्षित बात पर बड़बड़ाना 3. रोषपूर्ण ढंग से धीरे-धीरे मुख से कुछ बोलना।

बुड़ाना स.क्रि. (देश.) 1. पानी, द्रव या तरल पदार्थ में किसी चीज को डुबाना 2. गोता देना लाक्ष. 1. नष्ट कर देना जैसे- उसने सारी कमाई जुए में उड़ा दी जैसे- उसने कुल की इज्जत उड़ा दी।

बुड़डी स्त्री. (तत्.) 1. किसी जलाशय में प्रवेश कर गहराई में जाकर सिर तक शरीर को पानी के अंदर करने की स्थिति 2. गोता लगाने की क्रिया, डुबकी।

बुड़ढा वि. (तद्.) 1. जवानी के बाद शरीर की अंतिम अवस्था अर्थात् 60 वर्ष से अधिक आयु वाला कोई व्यक्ति, बूढ़ा, वृद्ध 2. पुं. बूढ़ा आदमी।